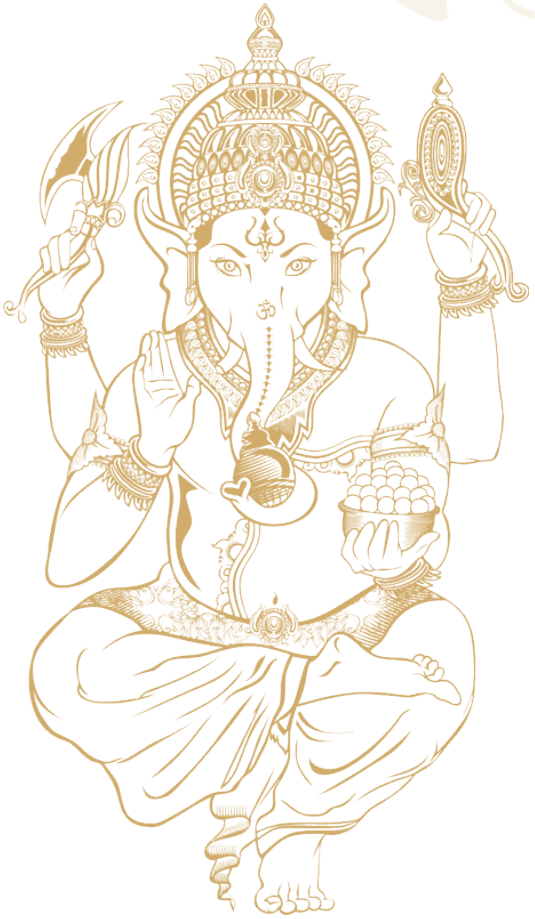

Mr. Atishay Jain

Ms. Anusha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121187401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121187401 Date: 06/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/11/2001	जन्म तिथि	19/11/2002
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:55:00	जन्म समय	10:22:00 घंटे
घटी 37:47:16	जन्म समय(घटी)	09:01:19 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Baraut
29:01:00 उत्तर	अक्षांश	29:06:00 उत्तर
77:45:00 पूर्व	रेखांश	77:15:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:00	स्थानिक संस्कार	-00:21:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:05	सूर्योदय	06:47:37
17:22:08	सूर्यास्त	17:25:00
23:52:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:33

कर्क	लग्न	धनु
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	मेष
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
धनिष्ठा	नक्षत्र	भरणी
मंगल	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	3
ध्रुव	योग	वरियान
विष्टि	करण	विष्टि
गे-गेंदा	जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
सिंह	योनि	गज
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 8मा 13दि		10:36:17	कर्क	लग्न	धनु	19:44:29	शुक्र 5वर्ष 1मा 11दि	
गुरु		06:33:35	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	02:47:03	मंगल	
06/08/2021		03:25:23	कुंभ	चंद्र	मेष	23:15:25	31/12/2023	
06/08/2037		24:22:31	मक	मंगल	कन्या	28:08:54	31/12/2030	
गुरु	24/09/2023	29:38:54	तुला	बुध	वृश्चि	05:40:24	मंगल	28/05/2024
शनि	06/04/2026	21:08:47	मिथु व	गुरु	कर्क	23:49:53	राहु	16/06/2025
बुध	12/07/2028	23:49:54	तुला	शुक्र व	तुला	06:15:05	गुरु	23/05/2026
केतु	18/06/2029	18:29:13	वृष व	शनि व	मिथु	03:52:46	शनि	01/07/2027
शुक्र	17/02/2032	03:36:57	मिथु	राहु व	वृष	14:45:55	बुध	28/06/2028
सूर्य	05/12/2032	03:36:57	धनु	केतु व	वृश्चि	14:45:55	केतु	24/11/2028
चन्द्र	06/04/2034	27:15:04	मक	हर्ष	कुंभ	01:06:41	शुक्र	24/01/2030
मंगल	13/03/2035	12:28:05	मक	नेप	मक	14:32:59	सूर्य	01/06/2030
राहु	06/08/2037	20:40:17	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	22:46:42	चन्द्र	31/12/2030

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:33

लग्न-चलित

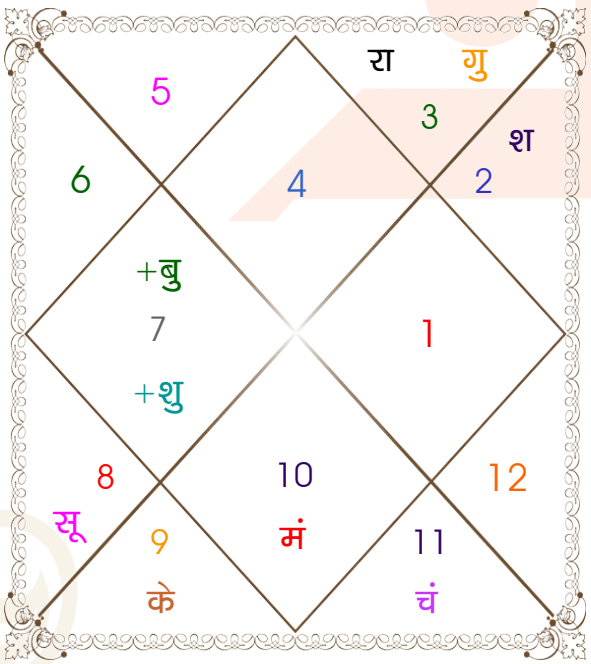

लग्न-चलित

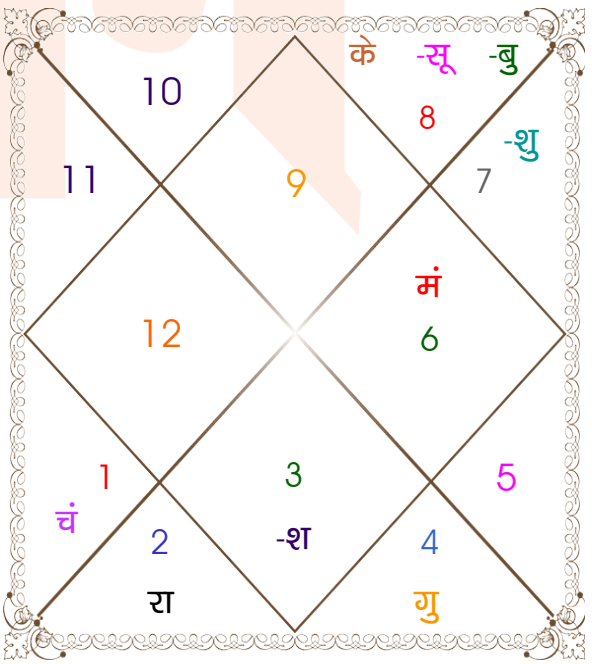

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	गज	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	10.00		

कुल : **10 / 36**

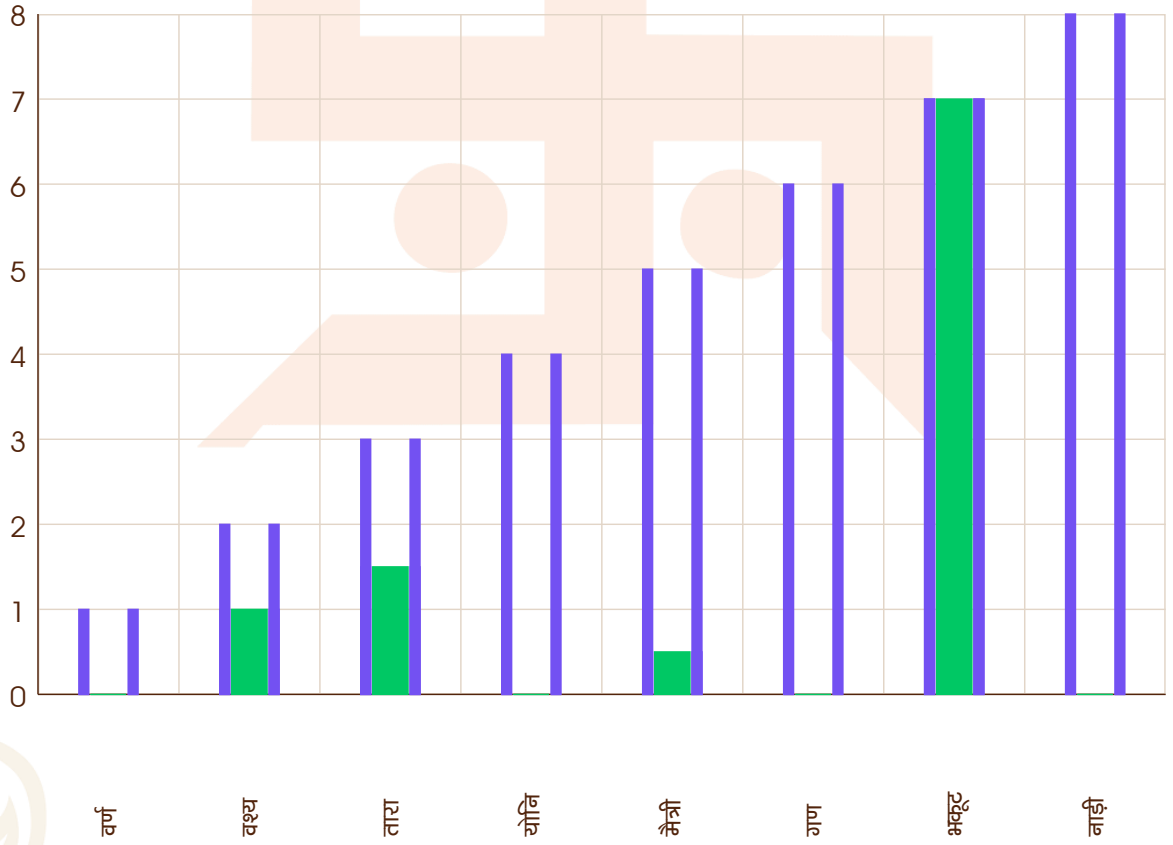

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr. Atishay Jain का वर्ग मार्जार है तथा Ms. Anusha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Atishay Jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Atishay Jain कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Atishay Jain कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Anusha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. Anusha कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Anusha कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Atishay Jain तथा Ms. Anusha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Atishay Jain का वर्ण शूद्र है तथा Ms. Anusha का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Ms. Anusha का वर्ण Mr. Atishay Jain के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Ms. Anusha अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Ms. Anusha का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Mr. Atishay Jain को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Mr. Atishay Jain का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. Anusha का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr. Atishay Jain एवं Ms. Anusha दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms. Anusha अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr. Atishay Jain अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr. Atishay Jain की तारा क्षेम तथा Ms. Anusha की तारा वध है। Ms. Anusha की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr. Atishay Jain एवं Ms. Anusha दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms. Anusha अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr. Atishay Jain की योनि सिंह है तथा Ms. Anusha की योनि गज है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये

रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Atishay Jain का राशि स्वामी Ms. Anusha के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms. Anusha का राशि स्वामी Mr. Atishay Jain के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr. Atishay Jain का गण राक्षस है तथा Ms. Anusha का गण मनुष्य है। अर्थात Ms. Anusha का गण Mr. Atishay Jain के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr. Atishay Jain से Ms. Anusha की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Ms. Anusha से Mr. Atishay Jain की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr. Atishay Jain अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Ms. Anusha सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Mr. Atishay Jain की नाड़ी मध्य है तथा Ms. Anusha की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr. Atishay Jain एवं Ms. Anusha का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Atishay Jain की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Ms. Anusha की राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। वायुतत्व एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण इन दोनों के मध्य स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Mr. Atishay Jain की राशि का स्वामी शनि तथा Ms. Anusha की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम एवं शत्रु है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha के मध्य परस्पर मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति विशेष प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग के भाव में भी न्यूनता रहेगी जिससे सुख दुख में एक दूसरे को अल्प मात्रा में ही सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे अतः परस्पर विरोध एवं वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं रहेगा।

Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भावों में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर ध्यान देंगे जिससे परस्पर सहयोग प्रेम एवं सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखने में तत्पर रहेंगे। अतः Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha को परस्पर सामंजस्य के भाव से कार्य लेना चाहिए।

Mr. Atishay Jain का वश्य मानव तथा Ms. Anusha का वश्य चतुष्पद है। अतः मानव एवं चतुष्पद के मध्य नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी। साथ ही काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr. Atishay Jain का वर्ण शूद्र तथा Ms. Anusha का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr. Atishay Jain की प्रवृति किसी भी कार्य को करने में प्रवृत रहेगी परन्तु Ms. Anusha साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को ही सम्पन्न करेंगी। कार्य क्षमता में असमानता के कारण Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha को यदा कदा परस्पर मतभेदों का सामना करना पड़ेगा। अतः वैवाहिक जीवन समान्य रूप से ही व्यतीत होगा।

धन

Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय

में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Ms. Anusha एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Ms. Anusha के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Anusha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Anusha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Anusha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Atishay Jain और Ms. Anusha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Anusha के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ms. Anusha को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ms. Anusha भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ms. Anusha को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ms. Anusha उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ms. Anusha के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ms. Anusha के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. Atishay Jain के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही Mr. Atishay Jain भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी Mr. Atishay Jain के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr. Atishay Jain के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।